श्रुतलेख अभ्यास पुस्तिका

हिंदी लिपि भाग 4

श्रुतलेख अभ्यास पुस्तिका

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

हिंदी लिपि भाग–4

श्रुतलेख अभ्यास पुस्तिका

निर्माण
विजय राघव रेड्डी
पीताम्बर

संयोजन–संपादन
अमर बहादुर सिंह

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

1980 (प्रथम संस्करण)

मूल्य : रुपए 3.50

कॆंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा द्वारा प्रकाशित और
पायनियर प्रिंटर्स, सेठगली आगरा द्वारा मुद्रित ।

Hindi Lipi Bhag-4
Shrutlekh Abhayas
Pushtika
Book No. 40 (BVP)

आमुख

पिछले तीन-चार दशकों में यह सिद्ध हो गया है कि द्वितीय भाषा शिक्षण की प्रारंभिक अवस्था में विभिन्न भाषा कौशलों के विकास के लिए व्यवस्थित और क्रमबद्ध शिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में किये गये अनुसंधानों और प्रयोगों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इन कौशलों के शिक्षण का अनुस्तरण करने की भी उतनी ही आवश्यकता है, जितनी किसी भी कौशल के लिए तैयार की गयी शिक्षण सामग्री के अनुस्तरण की। भाषा कौशलों में लेखन कौशल का विशेष महत्व है। इस कौशल का शिक्षण पढ़ायी जाने वाली भाषा की लिपि के शिक्षण से ही प्रारंभ होता है। लिपि शिक्षण में लिपि चिह्नों की पहचान, और उनके लेखन में दक्षता तथा भाषा के स्वनिमों और उनके लिप्यंकन का संबंध स्थापित करना आदि आते हैं। श्रुतलेख इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक आवश्यक और महत्वपूर्ण साधन है।

अन्य भाषा के रूप में हिंदी के शिक्षण का प्रसार करने और अन्य भाषा हिंदी के शिक्षण की प्रणाली को वैज्ञानिक और आधुनिक बनाने की दिशा में केंद्रीय हिंदी संस्थान पिछले बीस वर्षों से कार्य कर रहा है। इस शताब्दी के सातवें दशक में संस्थान ने उत्तर-पूर्व के विभिन्न राज्यों में हिंदी शिक्षण का प्रसार करने के लिए संसाधन तैयार करने में महत्वपूर्ण कार्य किया है। संस्थान के द्वारा इस क्षेत्र में न केवल हिंदी अध्यापकों का शिक्षण-प्रशिक्षण ही किया गया है और किया जा रहा है, वरन् इन राज्यों के स्कूलों में हिंदी अध्यापन के लिए पाठ्य पुस्तकों तथा अन्य पाठ्यसामग्री तैयार करने का कार्य भी संस्थान ने किया है। श्रुतलेख के अभ्यास के लिए संस्थान ने इससे पूर्व तीन पुस्तकों का प्रकाशन किया है। वर्तमान प्रकाशन उसी श्रृंखला का चौथा और अंतिम भाग है। मेरा यह विश्वास है कि पिछले तीन प्रकाशन जितने उपयोगी सिद्ध हुए हैं, उतना ही उपयोगी यह भी सिद्ध होगा और इन चार पुस्तकों में दी गयी

अनुस्तरित सामग्री का उपयोग करने के उपरांत शिक्षार्थी इस कौशल में पूर्ण दक्षता प्राप्त कर सकेगा। मुझे विश्वास है कि इस श्रुतलेख अभ्यास पुस्तिका के चौथे भाग का भी वैसा ही स्वागत और उपयोग होगा जैसा कि अन्य का हुआ है।

(बाल गोविन्द मिश्र)
निदेशक

भूमिका

केंद्रीय हिंदी संस्थान ने द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी के शिक्षण के लिए अनेक पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। इन पाठ्यक्रमों में भाषायी कौशलों के विकास पर विशेष बल देते हुए पाठ्य-बिंदुओं का आकलन किया गया है। पुस्तकों की विषय-वस्तु भारत की सामासिक संस्कृति से जुड़ी रखी गई है और प्रयत्न यह किया गया है कि विभिन्न सामाजिक संदर्भों के बीच भाषा का सही प्रयोग करने की क्षमता छात्रों में विकसित हो सके।

विद्यार्थियों के लेखन-कौशल को विकसित करने हेतु प्रस्तुत श्रुतलेख अभ्यास-पुस्तिका का निर्माण इसी प्रकार की योजना की एक कड़ी है। इस पुस्तक का निर्माण अहिंदी भाषी-हिंदी छात्रों को ध्यान में रखकर किया गया है। पुस्तक को वर्तमान रूप देने में विभाग के रीडर डा. लक्ष्मीनारायण शर्मा ने सहयोग दिया है। आशा है यह अभ्यास-पुस्तिका अपने उद्देश्यों में सफल होगी तथा विद्यार्थियों के लेखन कौशल को विकसित करने में अपेक्षित योगदान देगी।

अमर बहादुर सिंह
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

अनुसंधान एवं सामग्री निर्माण विभाग
गुरु पूर्णिमा 1980

श्रुतलेख अभ्यास पुस्तिका के बारे में

हिंदी-इतर क्षेत्रों के स्कूलों की माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों को हिंदी लिपि और लेखन सिखाने तथा लेखन कौशल के विकास के लिए संस्थान ने तीन अभ्यास-पुस्तिकाएँ तैयार की हैं :—

1– हिंदी लिपि, भाग–1 (हिंदी का अध्ययन आरंभ करने वाले छात्रों के लिए)

2– हिंदी लिपि, भाग–2 (हिंदी का आरंभिक अध्ययन किए हुए छात्रों के लिए)

3– हिंदी लिपि, भाग–3 (हिंदी का माध्यमिक स्तरीय अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए)

ये तीनों पुस्तिकाएँ प्रकाशित हैं तथा प्रयोग में आ रही हैं।

हिंदी लिपि भाग–1 में कुल 12 अभ्यास पाठ हैं। हिंदी के स्वर तथा व्यंजन वर्णों और स्वरों की मात्राओं को वैज्ञानिक ढंग से लिखना सिखाया गया है और इनसे बने सरल शब्दों का वाचन सिखाने के लिए उपयोगी और सरल अभ्यास दिए गए हैं।

हिंदी लिपि भाग–2 में कुल 18 अभ्यास पाठ हैं। इसमें तीन प्रकार के अभ्यास दिए गए हैं :— (1) विशेषांक चिह्न युक्त वर्ण लिखना और पढ़ना सिखाना (2) हिंदी संयुक्त वर्ण-शिक्षण (दो वर्णों का योग तथा उस योग से बनी नई आकृति को लिखना तथा पढ़ना सिखाना) (3) हिंदी अनुलेखन-शिक्षण (उच्चरित/मौखिक शब्द की ध्वनियों के अनुक्रम में उनसे संबंधित वर्णों को लेखन के अनुक्रम में लिखना सिखाना)।

हिंदी लिपि भाग–3 में कुल 14 अभ्यास पाठ हैं। हिंदी लिपि भाग–2 में अनुलेखन के लिए प्रयुक्त गद्यांश और भाग–1, भाग–2 के अभ्यास पाठों से संबंधित तत्स्थान श्रुतलेख (Spot dictation) का अभ्यास कराने के लिए अभ्यास दिए गए हैं।

प्रस्तुत श्रुतलेख अभ्यास पुस्तिका भी हिंदी-इतर प्रदेशों की माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों के उपयोगार्थ तैयार की गई है। इस अभ्यास-पुस्तिका में पाठ्य-बिंदुओं का अंतर स्पष्ट करने के लिए आरंभ के 15 पाठों में यथासंभव न्यूनतम युग्मों का भी समावेश किया गया है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि इस अभ्यास-पुस्तिका का प्रत्यक्ष उपयोग अध्यापक ही करेंगे, छात्र नहीं। छात्र तो अध्यापक द्वारा बोली गई श्रुतलेख सामग्री का लेखन-अभ्यास करेंगे। इस अभ्यास-पुस्तिका में 20 अनुस्तरित अभ्यास दिए गए हैं।

श्रुतलेख अभ्यास प्रक्रिया

श्रुतलेख अभ्यास में चार प्रक्रियाएँ छात्रों से संबंधित हैं—(1) अध्यापक द्वारा बोले गए शब्दों, पदों, पदबंधों तथा वाक्यों की ध्वनियों को सही रूप में सुनना। (2) सुने गए शब्दों, पदों, पदबंधों तथा वाक्यों की ध्वनियों से संबद्ध वर्णों, वर्ण-अनुक्रमों, मात्राओं-वर्तनी—का व्याकरणिक नियमों के साथ संबंध स्थापित करना (3) प्रक्रिया 2 में स्थापित संबंध का मानसिक बिंब बनाए रख कर सुडौल वर्णों में द्रुतगति से लिखना (4) लिखित सामग्री में विभिन्न कारणों से की गई भूलों तथा छूटों की पहचान।

श्रुतलेख अभ्यास से अध्यापक भी संबद्ध होता है। संबंध की यह प्रक्रिया चार रूपों में देखी जा सकती है— (1) श्रुतलेख अभ्यास के लिए अनुस्तरित सामग्री का चयन या निर्माण (2) छात्रों के समक्ष चयन की गई सामग्री का प्रत्यक्षीकरण, आदर्श-वाचन (3) श्रुतलेखन के लिए उच्चारण (4) छात्रों द्वारा की गई भूलों, छूटों का संशोधन तथा परिहार।

श्रुतलेख में होने वाली भूलों के पीछे सामान्यत: ये कारण देखे जाते हैं— (1) मातृभाषा तथा द्वितीय भाषा हिंदी की ध्वनि-व्यवस्था में अंतर होने के कारण सुनने में व्याघात होना (2) मातृभाषा तथा द्वितीय भाषा हिंदी की लिपि और वर्तनी - व्यवस्था में अंतर होने के कारण—हिंदी ध्वनियों तथा वर्णों के मध्य सह-संबंध स्थापित करते समय व्याघात होना (3) मातृभाषा तथा द्वितीय भाषा हिंदी की लिपि-व्यवस्था में अंतर होने के कारण हिंदी के वर्णों की संरचक रेखाओं में सुडौलता आदि की कमी या भूल होना (4) बाह्य व्याघात, यथा—कक्षा से बाहर होने वाला शोर गुल ; लेखन अभ्यास के समय अवधान की कमी ; गति नियंत्रक तंत्र (Neuro-muscular control) तथा हाथ की लेखन-गति में सामंजस्य का अभाव, कमी, या विच्छेदन ।

श्रुतलेख अभ्यास की प्रक्रिया में छात्र तथा अध्यापक को इन छह सोपानों से गुज़रना होगा—

1–सामग्री का प्रत्यक्षीकरण :— अध्यापन की वैज्ञानिक विधि के अनुसार श्रुतलेख के आरंभिक अभ्यास के लिए छात्रों से उसी सामग्री को लिखवाया जाना चाहिए जिससे वे पूर्व परिचित हों अर्थात् वह सामग्री छात्रों के सामने कम से कम एक बार अवश्य आ चुकी हो। इस व्यावहारिक सिद्धांत के अनुसार अध्यापक कक्षा में छात्रों के समक्ष श्रुतलेख-सामग्री का प्रत्यक्षीकरण करेगा। इसके लिए लपेट श्यामपट या कक्षा श्यामपट अथवा बड़े से कागज़ पर पहले से लिख कर लाई गई सामग्री को छात्र के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है।

2–आदर्श वाचन– सामग्री के प्रत्यक्षीकरण के साथ-साथ अध्यापक उस सामग्री का उपयुक्त गति, यति और अनुतान के साथ आदर्श वाचन प्रस्तुत करेगा। आदर्श वाचन के समय छात्र सामग्री को एकाग्रचित्त हो देखते और सुनते जाएंगे।

आदर्श वाचन के पश्चात् यह सामग्री छात्रों के सामने से हटा दी जाएगी। (1) लपेट श्यामपट को उलट कर टाँग दिया जाए (2) कक्षा श्यामपट को किसी वस्तु/ कागज़ से ढक दिया जाए या उलटा कर दिया जाए।

3–श्रुतलेखन– इस समय अध्यापक छात्रों के स्तर का ध्यान रखते हुए सामग्री को इस गति के साथ बोलेगा कि सामान्य गति से लिखने वाला छात्र भी सामग्री को लिख सके। सामान्यतः सामग्री की प्रत्येक इकाई (शब्द, पद, पदबंध, वाक्य) एक ही बार बोला जाना चाहिए किंतु आवश्यकतानुसार कभी-कभी किसी इकाई को अध्यापक दुबारा भी बोल सकता है।

4–पुनर्वाचन– श्रुतलेखन के समान ही इस सोपान का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा किंतु इस समय बोलने की गति आदर्श-वाचन से कुछ अधिक रहेगी। छात्र इस सोपान पर अपनी भूलों तथा छूटे हुए अंशों को सुधारते जाएंगे।

5–छात्रों द्वारा संशोधन– इस सोपान में छात्र अपनी लेखन-पुस्तिकाओं को अपने पड़ोसी छात्र से बदल लेंगे। अध्यापक प्रथम सोपान की भाँति सामग्री का प्रत्यक्षीकरण करेगा। छात्र सामग्री को देखते हुए भूलों (वर्तनी, वर्ण-संरचक रेखाओं संबंधी), छूटे हुए अंशों को ध्यान से देखते हुए उन पर (×, ✓) निशान लगा कर उनकी गणना करके संख्या लिख देंगे। इसके बाद छात्र अपनी अपनी लेखन-पुस्तिकाओं में भूलों, और छूटे हुए अंशों को सुधारते हुए लिखेंगे। भूलें पाँच-पाँच बार लिखी जाएं। छूटों को पूर्व और पर सामग्री के साथ दो-दो बार अवश्य लिखा जाए।

6–अध्यापक द्वारा संशोधन– इस सोपान में अध्यापक छात्रों की लेखन-पुस्तिकाओं का गहन निरीक्षण करते हुए संशोधन कार्य करेगा।

विषय-सूची

15.	ˆ, /, ‸, त्र	4	66 शब्द, 36 अल्पविराम, 6 पूर्ण विराम 21
16.	अभ्यास 1-12 के पाठ्य-बिंदुओं का पुनर्भ्यास " "	1	84 शब्द, 8 पूर्ण विराम, 5 अल्पविराम, 2 उद्धरण चिह्न, 1 प्रश्न वाचक 22
17.	अभ्यास 1-12, 15 के पाठ्य-बिंदुओं का पुनर्भ्यास, ;, !, :–	3	82 शब्द, 5 अल्पविराम, 1 अर्द्धविराम, 3 पूर्ण विराम, 2 प्रश्नवाचक, 2 विस्मयादिबोधक 23
18.	अभ्यास 1-17 के पाठ्य-बिंदुओं का पुनर्भ्यास	–	86 शब्द, 3 अल्पविराम, 2 योजक चिह्न, 2 पूर्ण विराम, 1 विस्मयादिबोधक, 1 उद्धरण चिह्न 24
19.	अभ्यास 1-17 के पाठ्य-बिंदुओं का पुनर्भ्यास	–	86 शब्द, 6 पूर्ण विराम, 1 योजक चिह्न, 1 उद्धरण चिह्न 25
20.	अभ्यास 1-17 के पाठ्य-बिंदुओं का पुनर्भ्यास	–	86 शब्द, 1 प्रश्नवाचक, 5 पूर्णविराम, 1 योजक चिह्न, 1 उद्धरण चिह्न, 1 निर्देश चिह्न, 2 अल्पविराम 26

श्रुतलेख अभ्यास-1

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु-(8)	आ, ई, ए, क, न, म, र, ल	
अभ्यास सामग्री-	57 शब्द	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया-	1-सामग्री-प्रत्यक्षीकरण 2-आदर्श वाचन	(समय- 5 मिनट)
	3-श्रुतलेखन	(समय-15 मिनट)
	4-पुनर्वाचन	(समय- 3 मिनट)
	5-छात्रों द्वारा संशोधन	(समय-12 मिनट)
	6-अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

आम	नाम	ला
आईना	नाई	आई
एक	अनेक	ले
कर	मकान	कील
नील	नेक	नाक
मर	मार	मेल
राम	रेल	नारा
ला	लीन	नल

मन मान	मिल मील
राम रम	मल माल
कल काल	काला काली

नेक काम कर

एक केला लाइए

काला नमक ला

नाना के कान

मामा की नाक

मामा के लिए काली कलम लाइए

श्रुतलेख अभ्यास-2

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु–(4)	ए, ऐ, ओ, औ	
अभ्यास सामग्री–	54 शब्द	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया–	1–सामग्री-प्रत्यक्षीकरण 2–आदर्श वाचन	(समय– 5 मिनट)
	3–श्रुतलेखन	(समय–15 मिनट)
	4–पुनर्वाचन	(समय– 3 मिनट)
	5–छात्रों द्वारा संशोधन	(समय–12 मिनट)
	6–अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

एक एकक केला मेरा
ऐनक नैन मैना मैला
ओर आओ कोई करो
और औरत कौन नौ

मेरा मेरी मेरे
कोरा कोरी कोरे
एकाएक कौन कोना
ले लो ले आओ लाओ
लौकी लौ नौकर
रमा की लौकी ले आओ
मोर और नौका लो
नौ आम ले लो
नौकरी कर
आओ एक ऐनक और केला लो

श्रुतलेख अभ्यास-3

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु–(10)	क, ग, च, ज, ट, ड, त, द, प, ब	
अभ्यास-सामग्री–	60 शब्द	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया–	1–सामग्री-प्रत्यक्षीकरण 2–आदर्श वाचन	(समय– 5 मिनट)
	3–श्रुतलेखन	(समय–15 मिनट)
	4–पुनर्वाचन	(समय– 3 मिनट)
	5–छात्रों द्वारा संशोधन	(समय–12 मिनट)
	6–अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

कम	गम	नाग	नाक	सका	सगा
चर	जर	नाच	नाज	अचर	अजर
टाल	डाल	टमटम	डमडम	टोला	डोला
तल	दल	बात	बाद	लता	लदा
पक	बक	कप	कब	तपना	दबना

आप आइए

बाइबिल की किताब लाइए

मेज पर कागज़ और कापी रख

बचपन की बात बताओ

तू पानी पी

काग की बात बताओ

आओ रोओ मत

आगे चलो काम बनेगा

श्रुतलेख अभ्यास-4

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु-(7)	ख, छ, ठ, थ, फ, फ़, क्ष	
अभ्यास-सामग्री-	56 शब्द	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया-	1-सामग्री प्रत्यक्षीकरण 2-आदर्श वाचन	(समय- 5 मिनट)
	3-श्रुतलेखन	(समय-15 मिनट)
	4-पुनर्वाचन	(समय- 3 मिनट)
	5-छात्रों द्वारा संशोधन	(समय-12 मिनट)
	6-अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

कान, चख, सखा, छल, ठठोल, काठ, ठक ठक, थाल,
मथ, माथा, फल, कफ़, काफ़ी, काफी, कक्षा, क्षीर ।
खाते खाती खाओ काटते काटती काटो
लिखता लिखती लिखते लिखो देखता देखती देखते
चलता चलती चलते देता देती देते

नटखट मत बनो
कठिनाई को ठोकर मारो
रोज बाइबिल का पाठ करो
काफ़ी छोटी कक्षा देख
पौ फटते काग देखा

श्रुतलेख अभ्यास-5

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु-(5)	घ, झ, ढ, ध, भ	
अभ्यास-सामग्री-	57 शब्द	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया-	1-सामग्री-प्रत्यक्षीकरण 2-आदर्श वाचन	(समय- 5 मिनट)
	3-श्रुतलेखन	(समय-15 मिनट)
	4-पुनर्वाचन	(समय- 3 मिनट)
	5-छात्रों द्वारा संशोधन	(समय-12 मिनट)
	6-अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

खर घर खोल घोल छाल झाल रीछ रीझ
ठक ढक पाठ ठाठ ठेला ढेला थन धन
थर धर फला भला

खिलौना खिलौनेवाला थैला धीर झोली
भोली ठेली डोली खोली छोरी घाट

घर का भेदी
झूठ बोल कर देख
ढोर खोल दो
धीरे धीरे आओ
भूल मत कर
छोटा भाई बोला लिफ़ाफ़ा खोल दो
औरत बोली खोल दीजिए

श्रुतलेख अभ्यास-6

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु-(6)	ग-घ, ज-झ, ड-ढ, द-ध, ब-भ, योजक चिह्न	
अभ्यास-सामग्री-	55 शब्द, 10 योजक चिह्न	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया-	1-सामग्री-प्रत्यक्षीकरण 2-आदर्श वाचन	(समय- 5 मिनट)
	3-श्रुतलेखन	(समय-15 मिनट)
	4-पुनर्वाचन	(समय- 5 मिनट)
	5-छात्रों द्वारा संशोधन	(समय-10 मिनट)
	6-अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

बाग-बाघ, लाज-लाझ, डाल-ढाल
बद-बध, अबीर-अभीर

पग-पग, रग-रग, डगर-डगर, नगर-नगर
डुगडुगी डील-डौल दनादन सजधज

गिरी घूमना चाबी जमीन झरना दिन नदी बकरी
रोज बजे गधा बाघ मौत बैल धूल

रोटी खाओ
तोप से गोला निकालो
धोती साफ कर
साठ आदमी साथ थे
आठ लोग सो गए

श्रुतलेख अभ्यास-7

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु–(5)	त-ट, द-ड, थ-ठ, ध-ढ, उ-ऊ	
अभ्यास-सामग्री–	50 शब्द, 5 योजक चिह्न	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया–	1–सामग्री प्रत्यक्षीकरण 2–आदर्श वाचन	(समय– 5 मिनट)
	3–श्रुतलेखन	(समय–15 मिनट)
	4–पुनर्वाचन	(समय– 3 मिनट)
	5–छात्रों द्वारा संशोधन	(समय–12 मिनट)
	6–अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

लात-लाट, साथ-साठ, उन-ऊन, दर-डर, धोना-ढोना

एक तीन तुम तैयार माता तौल बताइए पालतू मिथुन

टमाटर मोटर दुकान दूर पैदल हथौड़ा

आठ पाठ उठना धन धाम धो धम

ढालू ढोल ढोलक उठ उठना ऊन

टकटकी लगाकर देखना

दर दर भटकना

डर के मारे

डमरू और ढोल

श्रुतलेख अभ्यास-8

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु-(5)	ड-र, ड़-ढ़, व-ब, य-ज, ड़-र	
अभ्यास-सामग्री-	53 शब्द, 5 योजक चिह्न	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया-	1-सामग्री प्रत्यक्षीकरण 2-आदर्श वाचन	(समय- 5 मिनट)
	3-श्रुतलेखन	(समय-14 मिनट)
	4-पुनर्वाचन	(समय- 5 मिनट)
	5-छात्रों द्वारा संशोधन	(समय-11 मिनट)
	6-अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

डर-रम पड़-पढ़ वन-बन यम-जम तार-ताड़
कपड़ा उड़ना लोमड़ी घड़ी पेड़ फुलवाड़ी निडर डरपोक
गाढ़ना बाढ़ रविवार गुरुवार औजार पढ़ पढ़ता पढ़ती
पढ़ाते पढ़ाती पढ़ाना गाय चाय नया जायदाद यह ये
जो जूता वजन भजन दाव

बूढ़ा आदमी
बूढ़ी औरत
गाड़ी पर चढ़
अब न पढ़
काम न बिगाड़ो

श्रुतलेख अभ्यास-9

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु–(8)	स-च, स-छ, श-च, श-छ, ह्- :, ऋ, ष, ण।	
अभ्यास-सामग्री–	61 शब्द, 23 योजक चिह्न	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया–	1–सामग्री प्रत्यक्षीकरण 2–आदर्श वाचन	(समय– 5 मिनट)
	3–श्रुतलेखन	(समय–15 मिनट)
	4–पुनर्वाचन	(समय– 3 मिनट)
	5–छात्रों द्वारा संशोधन	(समय–12 मिनट)
	6–अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

साल-चाल सूर-चूर सुना-चुना मसल-मचल

असर-अचर पूस-पूछ सिला-छिला सील-छील

सूना-छूना शाल-चाल शूर-चूर शाह-चाह

शिला-छिला काशी-काछी शाल-छाला सूर-शूर सील-शील

सिला-शिला कोस-कोश साल-शाल पास-पाश

हवा कहानी बहिन पहाड़ पहाड़ी लुहार दाह हौज

अतः-राह पुनः-मेह दुःख ऋषि कृषि कृषक गुणवान मणिपुर रावण

श्रुतलेख अभ्यास-10

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु-(5)	ँ--, ं--, ं-ँ, ैं, ँ	
अभ्यास-सामग्री-	57 शब्द, 11 योजक चिह्न	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया-	1-सामग्री प्रत्यक्षीकरण 2-आदर्श वाचन	(समय- 5 मिनट)
	3-श्रुतलेखन	(समय-15 मिनट)
	4-पुनर्वाचन	(समय- 3 मिनट)
	5-छात्रों द्वारा संशोधन	(समय-12 मिनट)
	6-अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

आँधी-आधी, अँधेरा-अधूरा, गई-गईं, कहा-कहाँ, मंद-मद, कंद-कद,
संत-सत, बंद-बद, हंस-हस, हंस-हँस, चंद-चाँद

अँगूर, आँख, ऊँचा, गाँव, पाँच, माँस, मुँह, हाँ, माँ, लगाऊँ
अंधेर, अंदर, बंदर, रंग, अंग, अंतर, परंतु, नागालैंड,
संबंध, बलवंत, अनुबंध, एवं, नहीं, में, मैं, दोनों, हिंदी,
कुंदा, बूँद, भैंस, बेंत, भाषाएँ, पहाड़ियाँ,
कठिनाइयाँ, जाऊँ

श्रुतलेख अभ्यास-11

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु–(12)	क-क्, क्ष, ग-ग्, च-च्, ज-ज्, ज्ञ, त-त्, प-प्, ब-ब्, ल-ल्, ख-ख्, थ-थ् ।	
अभ्यास-सामग्री–	70 शब्द, 6 पूर्ण विराम	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया–	1–सामग्री प्रत्यक्षीकरण	(समय– 5 मिनट)
	2–आदर्श वाचन	
	3–श्रुतलेखन	(समय–12 मिनट)
	4–पुनर्वाचन	(समय– 3 मिनट)
	5–छात्रों द्वारा संशोधन	(समय–15 मिनट)
	6–अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

इक्कीस तरक्की क्या क्यों मक्खन दक्षिण कक्षा रक्षक पक्षी ग्यारह सुग्गा पच्चीस बच्चा सच्चा अच्छा राज्य ज्यादा इज्जत ज्यादातर ज्ञान अज्ञात आज्ञा लज्जा उत्तर कुत्ता पत्नी नत्थी त्योहार महात्मा आत्मा उत्साह प्यार छप्पर चप्पल प्यास हेलीकाप्टर लुप्त गुप्त अब्बा सब्जी ब्याज शब्द चिल्लाना जल्दी बाल्टी कल्पना मुख्य ख्याति पृथ्वी

ग्यारह बजे आओ ।
रिक्शा टकराकर पलट गयी ।
ख्याति कमाओ ।
पत्थर मत तोड़ो ।
उत्सव में भीड़ ।
स्वामीनाथन, नब्बे पैसे की सब्जी लाओ ।

श्रुतलेख अभ्यास-12

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु–(9) फ-फ्, घ-घ्, ध-ध्, भ-भ्, व-व्, य-य्, स-स्, श-श्, ष-ष्

अभ्यास-सामग्री– 62 शब्द, 5 पूर्ण विराम

श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया–

1–सामग्री प्रत्यक्षीकरण
2–आदर्श वाचन } (समय– 5 मिनट)
3–श्रुतलेखन (समय–15 मिनट)
4–पुनर्वाचन (समय– 3 मिनट)
5–छात्रों द्वारा संशोधन (समय–12 मिनट)
6–अध्यापक द्वारा संशोधन (कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

दफ़्तर हफ़्ता लफ़्ज कृतघ्न विघ्न ध्यान ध्वनि माध्यम सभ्य अभ्यास अभ्युदय नब्बे व्यवहार व्याख्या शय्या सदस्य नमस्कार मास्टर स्केल स्कूल स्लेट रास्ता अस्सी पुस्तकें बिस्तर स्वयं दृश्य पश्चिम मुश्किल इश्क मनुष्य भविष्य कष्ट रुष्ट तुष्ट नष्ट भ्रष्ट मध्य भव्य ।

अभी स्लेट लेकर स्कूल जाओ ।
मनुष्य निष्फल काम नहीं करता ।
अध्यापक कहते हैं कि अभ्यास करो ।
मैं मुश्किल से नब्बे रुपये कमाता हूँ ।

श्रुतलेख अभ्यास-13

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु-(7)	छ्, ट्, ठ्, ड्, ढ्, द्, ह् ।	
अभ्यास-सामग्री-	40 शब्द, 3 पूर्ण विराम	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया-	1-सामग्री प्रत्यक्षीकरण 2-आदर्श वाचन	(समय- 5 मिनट)
	3-श्रुतलेखन	(समय-10 मिनट)
	4-पुनर्वाचन	(समय- 5 मिनट)
	5-छात्रों द्वारा संशोधन	(समय-15 मिनट)
	6-अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

उच्छवास	खट्टा	छुट्टी	पट्टी
भद्दा	पाठ्य-पुस्तक	कबड्डी	बुड्ढा
बुड्ढी	गड्ढा	धनाढ्य	सनाढ्य
विद्यालय	विद्वान	उद्घाटन	सद्भाव
ब्रह्म	चिह्न	आह्वान	ह्लाङ्हमीरा
मट्ठा	गुड्डी		

पिछले युद्ध में हमारी जीत हुई ।

लड़के कबड्डी खेलते हैं ।

हमारे विद्यालय में अच्छी पुस्तकें पढ़ायी जाती हैं ।

श्रुतलेख अभ्यास-14

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु-(6)	ङ्, ञ्, ण, न, म, ?	
अभ्यास-सामग्री-	44 शब्द, 20 अल्प विराम, 1 प्रश्नवाचक चिह्न, 4 पूर्ण विराम	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया-	1-सामग्री प्रत्यक्षीकरण 2-आदर्श वाचन	(समय- 6 मिनट)
	3-श्रुतलेखन	(समय-15 मिनट)
	4-पुनर्वाचन	(समय- 4 मिनट)
	5-छात्रों द्वारा संशोधन	(समय-10 मिनट)
	6-अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

चञ्चल, वाञ्छा, अञ्जन, हिन्दी,
पुण्यात्मा, कण्ठ, दण्ड, अन्दर,
उन्नीस, सुन्दर, पेन्सिल, गन्दगी,
जन्म, अन्याय, अन्धकार, तुम्हारा,
तुम्हारी, तुम्हारे, सम्मति, कम्बल, म्यान ।

जगन्नाथन तुम्हारी पेन्सिल कहाँ है ?
पिल्लै गन्दगी मत करो ।
पुण्यात्मा को ईश्वर कभी दण्ड नहीं देता ।
अब्बास उन्नीस रुपए की सुन्दर पुस्तकें लाओ ।

श्रुतलेख अभ्यास-15

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु–(4)	र्, /, ‸, त्र	
अभ्यास-सामग्री–	66 शब्द, 36 अल्प विराम, 6 पूर्ण विराम	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया–	1–सामग्री प्रत्यक्षीकरण 2–आदर्श वाचन	(समय– 5 मिनट)
	3–श्रुतलेखन	(समय–15 मिनट)
	4–पुनर्वाचन	(समय– 3 मिनट)
	5–छात्रों द्वारा संशोधन	(समय–12 मिनट)
	6–अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

धर्म, दर्शनीय, कुर्सी, अन्तर्देशीय, दर्जी,
मुर्गा, वर्षा, स्वर्ग, वर्णन, बोर्ड, अर्जी,
दर्द, दुर्घटना, पूर्व, सूर्य, सिर्फ, पवित्र,
पन्द्रह, प्रभु, ब्रश, क्रम, प्राप्ति, चन्द्रमा ।
प्रतिदिन, शुक्रवार, राष्ट्र, राष्ट्रभाषा, राष्ट्रीयता,
ड्रामा, ट्राम, राष्ट्रसंघ, राष्ट्रमण्डल, ट्रेन,
छात्र, सत्रह, शत्रु, पत्र,

हम चर्च में प्रार्थना करते हैं ।
हम गर्व के साथ राष्ट्रगान गाते हैं ।
हम एक राष्ट्र के हैं ।
हमारी एक राष्ट्रीयता है ।
हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है ।

श्रुतलेख अभ्यास-16

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु-(1)	अभ्यास-1-1 के पाठ्य-बिंदुओं का पुनर्भ्यास " "
अभ्यास-सामग्री-	84 शब्द, 8 पूर्ण विराम, 5 अल्प विराम, 2 उद्धरण चिह्न, 1 प्रश्नवाचक चिह्न
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया-	1-सामग्री प्रत्यक्षीकरण } (समय- 5 मिनट)
	2-आदर्श वाचन }
	3-श्रुतलेखन (समय-15 मिनट)
	4-पुनर्वाचन (समय- 3 मिनट)
	5-छात्रों द्वारा संशोधन (समय-12 मिनट)
	6-अध्यापक द्वारा संशोधन (कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

परमेश्वरन एक होशियार लड़का है । एक दिन वह अपने स्कूल से घर जा रहा था । रास्ते में उसने एक बहुत गरीब और बूढ़ा आदमी देखा । बूढ़े के शरीर पर एक ही कपड़ा था । परमेश्वरन उस बूढ़े के पास गया । उसने उस बूढ़े से पूछा, "बाबा, तुम सड़क के किनारे क्यों बैठे हो ?" बूढ़े ने कहा—"बेटे, मेरा कोई घर नहीं है । कुछ लोग मुझे पागल कहते हैं, लेकिन मैं पागल नहीं हूँ ।" परमेश्वरन को बूढ़े पर दया आई, वह उसे अपने घर ले गया ।

श्रुतलेख अभ्यास-17

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु-(3)	अद्र्ध विराम, विस्मयादि बोधक चिह्न, निर्देश चिह्न
अभ्यास-सामग्री-	82 शब्द, 5 अल्प विराम, 1 अद्र्ध विराम, 3 पूर्ण विराम, 2 प्रश्न वाचक चिह्न, 2 विस्मयादिबोधक चिह्न, 1 उद्धरण चिह्न, 1 निर्देश चिह्न, 2 योजक चिह्न

श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया-	1-सामग्री प्रत्यक्षीकरण 2-आदर्श वाचन	(समय- 5 मिनट)
	3-श्रुतलेखन	(समय-15 मिनट)
	4-पुनर्वाचन	(समय- 3 मिनट)
	5-छात्रों द्वारा संशोधन	(समय-12 मिनट)
	6-अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

अगर आप खुद पागल हो जाएँ, तो दूसरों का पागलपन कोई समस्या नहीं रहता । हमें समाज की कुछ बातें पसंद नहीं, इसलिए हम अपने में डूबे रहते हैं । आपको इसमें क्या आपत्ति है ?

"आपको हमारी बौखलाहट फैशन लगती है ? आपके समाज ने हमें दिया ही क्या है — कुंठा !"

मेरे सामने एक छात्र रहता है, स्मार्ट और खूबसूरत, लेकिन पहनावे और तौर-तरीकों में अजब-सी अवज्ञा ; चेहरे पर अक्खड़ता और विद्रोह ! कुंठा की बात फिर छिड़ी, तो वह छात्र फिर भड़क गया ।

श्रुतलेख अभ्यास-18

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु–	अभ्यास 1 से 17– पाठ्य-बिंदुओं का पुनर्भ्यास
अभ्यास-सामग्री–	86 शब्द, 3 अल्प विराम, 2 योजक चिह्न, 4 पूर्ण विराम, 1 विस्मयादि बोधक चिह्न, 1 उद्धरण चिह्न
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया–	1–सामग्री प्रत्यक्षीकरण 2–आदर्श वाचन (समय– 5 मिनट)
	3–श्रुतलेखन (समय–15 मिनट)
	4–पुनर्वाचन (समय– 3 मिनट)
	5–छात्रों द्वारा संशोधन (समय–12 मिनट)
	6–अध्यापक द्वारा संशोधन (कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

शाम को देर हो गई थी, इसलिए पैसा बैंक में नहीं जमा करा पाए थे और सुरक्षा के विचार से दफतर की अलमारी में न छोड़ कर अपने घर ले जा रहे थे । वे खुद तो सड़क के फुटपाथ पर थे, लेकिन थैला नदारद ! उनके कपड़े-लत्ते की हालत बुरी हो गई थी और चेहरे पर खरोंच के निशान थे । वे पुलिस के जवान से बोले, "मेरा ख्याल है कि मुझे कोई मार-पीट कर मेरा थैला ले गया ।" अन्त तक थैला ढूँढ़ने पर नहीं मिला ।

श्रुतलेख अभ्यास-19

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु–	अभ्यास 1 से 17– पाठ्य-बिंदुओं का पुनर्भ्यास	
अभ्यास-सामग्री–	86 शब्द, 6 पूर्ण विराम, 1 योजक चिह्न, 1 उद्धरण चिह्न	
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया–	1–सामग्री प्रत्यक्षीकरण 2–आदर्श वाचन	(समय– 5 मिनट)
	3–श्रुतलेखन	(समय–15 मिनट)
	4–पुनर्वाचन	(समय– 3 मिनट)
	5–छात्रों द्वारा संशोधन	(समय–12 मिनट)
	6–अध्यापक द्वारा संशोधन	(कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

पेट में गैस होने पर अक्सर लोग पित्त की थैली को दोष देते हैं । कुछ हद तक यह ठीक भी है । ज्यादा गैस होने से डकारें ज्यादा आती हैं । इन लोगों को पेट में गुड़-गुड़ महसूस होने लगती है और ऐसा लगता है कि दवाएँ चारों ओर चल रही हैं । पाचन क्रिया तो ठीक नहीं रहती पर कुछ लोगों में हवा निकालने की आदत भी होती है । ये लोग सम्मानित व्यक्तियों की उपस्थिति में भी "नेचुरल एक्शन" की संज्ञा कह कर माफ़ी माँग लेते हैं ।

श्रुतलेख अभ्यास-20

समय सीमा : 35 मिनट

पाठ्य-बिंदु–	अभ्यास 1 से 17– पाठ्य-बिंदुओं का पुनर्भ्यास
अभ्यास-सामग्री–	86 शब्द, 1 प्रश्न वाचक चिह्न, 5 पूर्ण विराम, 1 योजक चिह्न, 1 उद्धरण चिह्न, 1 निर्देश चिह्न, 2 अल्प विराम
श्रुतलेख अभ्यास-प्रक्रिया–	1–सामग्री प्रत्यक्षीकरण 2–आदर्श वाचन } (समय– 5 मिनट)
	3–श्रुतलेखन (समय–15 मिनट)
	4–पुनर्वाचन (समय– 3 मिनट)
	5–छात्रों द्वारा संशोधन (समय–12 मिनट)
	6–अध्यापक द्वारा संशोधन (कक्षा के बाद)

श्रुतलेख-सामग्री

उस दिन कलकत्ता हवाई अड्डे पर बड़ी चहल-पहल थी। सुबह आठ बजे से ही विशिष्ट मेहमानों से भरी गाड़ियाँ हवाई अड्डे वाली सड़क पर फिसल रही थीं। विशिष्ट मेहमानों के चेहरों पर व्यग्रता झलक रही थी। सभी को स्वागत समारोह में पहुँचने की जल्दी थी, जो केन्द्रीय मन्त्री के आगमन पर आयोजित किया गया था।

बहुत लम्बे इन्तजार के पश्चात् मन्त्री महोदय आ ही गए। उन्होंने एक सज्जन के कंधे पर हाथ रखते हुए कहा, — "शर्मा जी आपको घर जाने की जल्दी तो नहीं है ?"

पायनियर प्रिन्टर्स, सेठगली, आगरा–फोन : ६४६०६